विद्या सर्वार्थ साधिका

आनंदालय

सामयिक परीक्षा – 3

कक्षा : नौवीं

विषय : हिंदी 'ब' (085) अधिकतम अंक : 40

दिनांक: 07-01-2025 निर्धारित समय : 1 घंटा 30 मिनट

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र चार खण्डों में विभाजित है - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
2. प्रश्न पत्र में कुल आठ प्रश्न हैं |
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए |
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना अनिवार्य है |
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए |

खंड -'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

तुम्हें क्या करना चाहिए, इसका ठीक-ठीक उत्तर तुम्हीं को देना होगा, दूसरा कोई नहीं दे सकता। कैसा भी विश्वास-पात्र मित्र हो, तुम्हारे इस काम को वह अपने ऊपर नहीं ले सकता। हम अनुभवी लोगों की बातों को आदर के साथ सुनें, बुद्धिमानों की सलाह को कृतज्ञता पूर्वक मानें, पर इस बात को निश्चित समझकर कि हमारे कर्मों से ही हमारी रक्षा व हमारा पतन होगा। हमें अपने विचार और निर्णय की स्वतंत्रता को दृढ़ता-पूर्वक बनाए रखना चाहिए। जिस पुरुष की दृष्टि सदा नीची रहती है, उसका सिर कभी ऊपर न होगा। नीची दृष्टि रखने से यद्यपि रास्ते पर रहेंगे, पर इस बात को न देखेंगे कि यह रास्ता कहाँ से जाता है। चित्त की स्वतंत्रता का मतलब चेष्टा की कठोरता या प्रकृति की उग्रता नहीं है। अपने व्यवहार में कोमल रहो और अपने उद्देश्यों को उच्च रखो, इस प्रकार नम्र और उच्चाशय दोनों बनो। अपने मन को कभी मरा हुआ न रखो। जो मनुष्य अपना लक्ष्य जितना ही ऊपर रखता है उतना ही उसका तीर ऊपर जाता है।

(i) मनुष्य को क्या करना चाहिए, इसका ठीक-ठीक उत्तर कौन देगा ? (1)

(क) मनुष्य को उत्तर स्वयं देना होगा। (ख) दूसरों से उत्तर माँगना होगा।

(ग) कोई भी उत्तर नहीं दे सकता। (घ) मनुष्य का वित्त उत्तर देगा।

(ii) हमारी रक्षा व पतन किस बात से होगा ? (1)

(क) हमारे अपने कामों से (ख) बुद्धिमानों की सलाह न मानकर

(ग) दूसरों का आदर न करके (घ) लक्ष्य को नीचा करके

(iii) अपना सिर ऊपर रखने के लिए मनुष्य को क्या करना चाहिए ? (1)

(क) सिर उठाकर चलना चाहिए। (ख) नजरें नीची करके चलना चाहिए।

(ग) अपने उद्देश्य को ऊँचा रखना चाहिए। (घ) इनमें से कोई नहीं।

(iv) मनुष्य की रक्षा और पतन के कारण क्या हैं तथा उसे किस चीज को दृढ़तापूर्वक बनाए रखना चाहिए ? (2)

(v) गद्यांश का मूलभाव स्पष्ट कीजिए | (2)

खंड-'ख'

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशनुसार दीजिए - (1x7=7)

(i) खरा-खोटा जैसा भी है है तो उसका पुत्र ही। (वाक्य में उचित स्थान पर विराम चिह्न लगाइए और उसका नामोल्लेख कीजिए)

(ii) 'बिनावज़ह' (उपसर्ग छाँट कर लिखिए)

(iii) 'नदियाँ' (प्रत्यय छाँट कर लिखिए)

(iv) महा + ओषधि (संधि करते हुए भेद लिखिए)

(v) 'काश! वर्षा होने पर फ़सल भी होती। (इच्छावाचक वाक्य को संदेहवाचक वाक्य में परिवर्तन कीजिए)

(vi) अर्थ के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं ?

(vii) पदों का उपयोग बिना शब्दों के किया जा सकता है ?

खंड-'ग'

3. गद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों को ध्यान से पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प लिखिए - (1x4=4)

'यंग इंडिया' के पीछे-पीछे 'नवजीवन' भी गांधीजी के पास आया और दोनों साप्ताहिक अहमदाबाद से निकलने लगे। छह महीनों के लिए मैं भी साबरमती आश्रम में रहने पहुँचा। शुरू में ग्राहकों के हिसाब-किताब की और साप्ताहिकों को डाक में डलवाने की व्यवस्था मेरे जिम्मे रही। लेकिन कुछ ही दिनों के बाद संपादन सहित दोनों साप्ताहिकों की और छापाखाने की सारी व्यवस्था मेरे जिम्मे आ गई। गांधीजी और महादेव का सारा समय देश भ्रमण में बीतने लगा। ये जहाँ भी होते, वहाँ से कामों और कार्यक्रमों की भारी भीड़ के बीच भी समय निकालकर लेख लिखते और भेजते। सब प्रांतों के उग्र और उदार देशभक्त, क्रांतिकारी और देश-विदेश के धुरंधर लोग, संवाददाता आदि गांधीजी को पत्र लिखते और गांधीजी 'यंग इंडिया' के कॉलमों में उनकी चर्चा किया करते। महादेव गांधीजी की यात्राओं के और प्रतिदिन की उनकी गतिविधियों के साप्ताहिक विवरण भेजा करते।

इसके अलावा महादेव, देश-विदेश के अग्रगण्य समाचार-पत्र, जो आँखों में तेल डालकर गांधीजी की प्रतिदिन की गतिविधियों को देखा करते थे और उन पर बराबर टीका-टिप्पणी करते रहते थे, उनको आड़े हाथों लेने वाले लेख भी समय-समय पर लिखा करते थे। बेजोड़ कॉलम, भरपूर चौकसाई, ऊँचे-से-ऊँचे ब्रिटिश समाचार-पत्रों की परंपराओं को अपनाकर चलने का गांधीजी का आग्रह और कट्टर से कट्टर विरोधियों के साथ भी पूरी-पूरी सत्यनिष्ठा में से उत्पन्न होनेवाली विनय-विवेक-युक्त विवाद करने की गांधीजी की तालीम इन सब गुणों ने तीव्र मतभेदों और विरोधी प्रचार के बीच भी देश-विदेश के सारे समाचार-पत्रों की दुनिया में और एंग्लो-इंडियन समाचार-पत्रों के बीच भी व्यक्तिगत रूप से एम.डी. को सबका लाडला बना दिया था।

गांधीजी के पास आने से पहले अपनी विद्यार्थी अवस्था में महादेव ने सरकार के अनुवाद-विभाग में नौकरी की थी। नरहरि भाई उनके जिगरी दोस्त थे। दोनों एक साथ वकालत पढ़े थे। दोनों ने अहमदाबाद में वकालत भी साथ-साथ ही शुरू की थी। इस पेशे में आमतौर पर स्याह को सफ़ेद और सफ़ेद को स्याह करना होता है। साहित्य और संस्कार के साथ इसका कोई संबंध नहीं रहता। लेकिन इन दोनों ने तो उसी समय से टैगोर, शरदचंद्र आदि के साहित्य को उलटना-पुलटना शुरू कर दिया था। "चित्रांगदा' कच-देवयानी की कथा पर टैगोर द्वारा रचित "विदाई का अभिशाप' शीर्षक नाटिका, "शरद बाबू की कहानियाँ आदि अनुवाद उस समय की उनकी साहित्यिक गतिविधियों की देन हैं।

(i) 'यंग इंडिया' और 'नवजीवन' पत्र कहाँ से संपादित होने लगे ?

(क) मुंबई (ख) कलकत्ता (ग) मद्रास (घ) अहमदाबाद

(ii) लेखक कितने दिनों तक साबरमती आश्रम में रहे थे ?

(क) 6 महीना (ख) 3 महीना (ग) 1 महीना (घ) 1 साल

(iii) गांधीजी के पास आने से पहले महादेव भाई ने क्या काम किया था ?

(क) टाइपिस्ट का (ख) चपरासी का (ग) अनुवादक का (घ) सैनिक का

(iv) 'जिगरी' शब्द का पर्याय है -

(क) अत्यंत दुर्बल (ख) अत्यंत सुशील (ग) अत्यंत चतुर (घ) अत्यंत घनिष्ठ

4. पद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों को ध्यान से पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प लिखिए - (3x1=3)

तू न थकेगा कभी !
तू न थमेगा कभी !
तू न मुड़ेगा कभी ! कर शपथ,
कर शपथ, कर शपथ !
अग्नि पथ ! अग्नि पथ ! अग्नि पथ !

यह महान दृश्य है
चल रहा मनुष्य है
अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ, लथपथ, लथपथ
अग्नि पथ ! अग्नि पथ! अग्नि पथ !

(i) कवि मनुष्य से किस बात की शपथ लेने को कहते हैं ?

(क) ईमानदारी की (ख) परोपकार करने की
(ग) कभी झूठ न बोलने की (घ) कभी न थकने व लक्ष्य से न भटकने की।

(ii) 'लथपथ, लथपथ, लथपथ' में अलंकार का भेद है-

(क) यमक (ख) अनुप्रास (ग) पुनरुक्ति प्रकाश (घ) उपमा

(iii) 'अग्निपथ' कविता में कवि ने कैसे जीवन के बारे में बताया है ?

(क) वैभवपूर्ण जीवन (ख) सहज जीवन
(ग) संघर्षमय जीवन (घ) आडंबरहीन जीवन

5. निम्नलिखित चार में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

(i) चंद्रशेखर वेंकट रामन् को वैज्ञानिक चेतना का वाहक क्यों कहा गया है ? पठित पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ii) लेखक को ऐसा क्यों लगने लगा कि अतिथि सदैव देवता ही नहीं होते ?

(iii) अग्नि पथ' कविता थके-हारे निराश मन को उत्साह एवं प्रेरणा से भर देती है । स्पष्ट कीजिए ।

(iv) खुशबू रचने वाले हाथों के प्रति समाज के धनी वर्ग का क्या कर्तव्य है ?

6. निम्नलिखित दो में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (1x3=3)

(i) लेखक को ऐसा क्यों लगा कि त्रिपुरा स्वच्छता के नाम पर उत्तर भारतीय गाँवों से अलग है ? इससे आपको क्या प्रेरणा मिलती है ?

(ii) 'कल्लू कुम्हार की उनाकोटी' पाठ के आधार पर गंगावतरण की कथा का उल्लेख कीजिए और बताइए कि ऐसे स्थलों की यात्रा करते समय हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

खंड- 'घ'

7. (i) नए विद्यालय में अपने पुत्र को दाखिला दिलवाने गए अभिभावक और प्रधानाचार्य के मध्य हुए वार्तालाप को संवाद शैली में लिखिए । (लगभग 100 - 120 शब्दों में) (1x5=5)

अथवा

(ii) मोबाइल फ़ोन से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है । इस बारे में दो महिलाओं (निशा और रजनी) के बीच हुई बातचीत को संवाद शैली में लिखिए । (लगभग 100 - 120 शब्दों में)

8. चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर मन में उभरे विचारों को समाहित करते हुए 70-80 शब्दों में चित्र वर्णन कीजिए | (1x5=5)